नाम _____ www.creativeworksheetshub.com

गद्यांश 2: नदी किनारे का मेला

एक सुंदर नदी के किनारे एक बड़ा मेला लगा था। नदी के पास गुलाब, सूरजमुखी और गेंदे के फूलों का बगीचा था। मेले में एक बंदर, एक तोता और एक मोर आए। बंदर पेड़ पर चढ़कर फूल तोड़ने लगा। तोता उड़कर फूलों के बीच बैठ गया और बोला, "यह बगीचा कितना रंगीन है!" मोर ने अपने पंख फैलाए और नाचने लगा। नदी में मछलियाँ तैर रही थीं, और उनके रंग पानी में चमक रहे थे। मेले में एक छोटा सा हिरण भी आया, जो फूलों की खुशबू में खो गया। बच्चे मेले में खेल रहे थे। सूरज ढल रहा था, और नदी का पानी सुनहरा हो गया। सभी जानवर और बच्चे मिलकर गाना गाने लगे। उस दिन, नदी किनारे का मेला बहुत यादगार बन गया।